म्री सरकार India Fortnightly Newsletter

WHAT'S INSIDE

India's first multi-modal terminal on inland waterways

Redefining India with New-Age Infrastructure

ISRO launches India's Heaviest Satellite

#NewIndia

#TransformingIndia



https://transformingindia.mygov.in

Exclusive Focus

PM Modi dedicates India's First Multi-Modal Inland Waterway Terminal to the Nation



It was a momentous day for the country, as PM Narendra Modi inaugurated India's first modern inland waterway terminal on river Ganga in Varanasi on November 12th. PM Modi received the first consignment since independence via inland vessel MV RN Tagore. It completed its journey from Haldia to Varanasi on river Ganga.







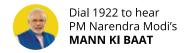


एक्सक्लूसिव फोकस

देश के पहले अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया



12 नवंबर, 2018 देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन था, इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में गंगा नदी पर भारत के पहले आधुनिक अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल का उद्घाटन किया। अंतर्देशीय जलमार्ग पर आजादी के बाद पहला कंसाइनमेंट अक्टूबर, 2018 के आखिरी सप्ताह में कोलकाता से चला था। पीएम मोदी ने आजादी के बाद देश का पहला कंटेनर प्राप्त किया। गंगा नदी पर हिल्दया से वाराणसी तक अंतर्देशीय पोत एमवी आरएन टैगोर के माध्यम से इस कंटेनर ने अपनी यात्रा पूरी की।







After the passage of the National Waterways Act, 2016, under which 111 inland waterways were declared as national waterways, Government launched the Jal Marg Vikas (JMV) project to boost the carrying capacity of the Ganga. The opening of the Varanasi port marks a major advance in this ambitious project. JMV project will facilitate the movement of 1,500-2,000 tonne vessels along the Prayagraj-Haldia stretch.

Addressing the gathering, PM Modi said inland waterway would save time and money, reduce congestion, reduce cost of fuel, and reduce vehicular pollution. Referring to the arrival of the first inland container vessel in Varanasi, he said that Eastern Uttar Pradesh is now connected with the Bay of Bengal, through the water route. Development of the multi-modal terminal under the Jal Marg Vikas Project is a milestone moment in the history of India's inland waterway transport sector.

Key Facts



MV RN Tagore was the first vessel on inland waterways since independence



It is India's first multi-modal inland waterway terminal



Inland waterways has immense potential to emerge as alternative to road transport

Jal Marg Vikas Project



Enable commercial navigation of vessels with capacity of 1,500-2,000 DWT



To cover NW-1 1,390 Km on river Ganga



Total estimated cost `5,369 crore









राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के पारित होने के बाद, इस अधिनियम के तहत 111 अंतर्देशीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग के रूप में घोषित किया गया। सरकार ने गंगा नदी की वाहक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए जल मार्ग विकास (जेएमवी) परियोजना की शुरुआत की। वाराणसी पोर्ट का उद्घाटन इस महत्वाकांक्षी परियोजना की दिशा में एक प्रमुख प्रगति है। जेएमवी परियोजना प्रयागराज—हिन्दया जलमार्ग पर 1,500—2,000 टन के जहाजों के लिए आवागमन को सुविधाजनक बनाने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

यहाँ सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतर्देशीय जल मार्ग से समय और धन की बचत होगी, सड़को पर जाम लगने से निजात मिलेगी, ईधन की लागत में कमी आयेगी और वाहनों से होने वाला प्रदूषण कम होगा। जल मार्ग विकास परियोजना के तहत बहु—मॉडल टर्मिनल का विकास भारत के अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन क्षेत्र के इतिहास में एक मील का पत्थर है।

प्रमुख तथ्य



आजादी के बाद एमवी आरएन टैगोर अंतर्देशीय जलमार्ग पर पहला पोत था



यह गंगा नदी पर पहला बहु–मॉडल टर्मिनल है



अंतर्देशीय जलमार्गों में सड़क परिवहन के विकल्प के रूप में उभरने की जबर्दस्त संभावना है

जल मार्ग विकास परियोजना



1500—2,000 डीडब्ल्यूटी की क्षमता वाले जहाजों को वाणिज्यिक नेविगेशन की क्षमता उपलब्ध होगी



एनडब्ल्यू—1 को कवर किया जाएगा— गंगा नदी पर 1,390 किलोमीटर



कुल अनुमानित लागतः 5,369 करोड़ रुपये

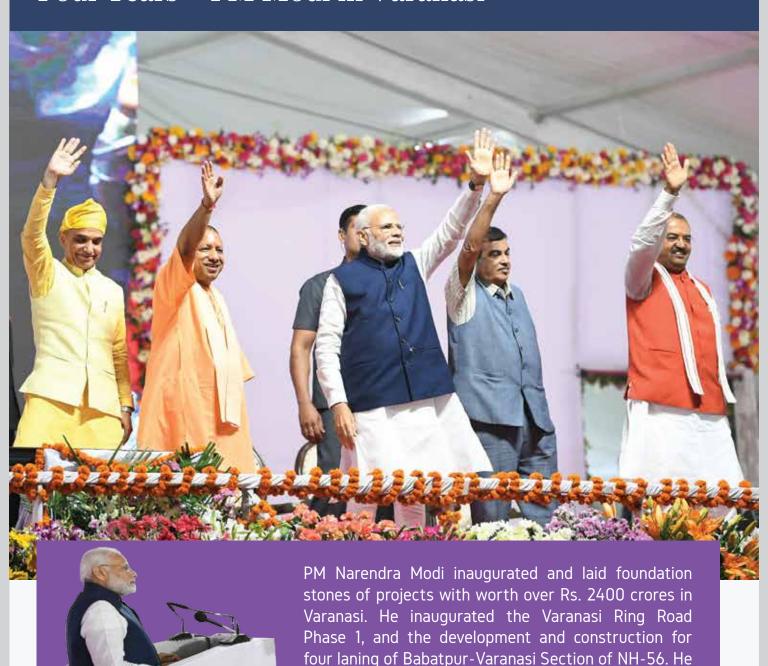




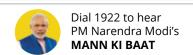




Modern Infrastructure Built at a Rapid Pace in Last Four Years' - PM Modi in Varanasi



Addressing a large and enthusiastic gathering, PM Modi said that the day is historic, for Kashi, for Poorvanchal, for Eastern India, and for the whole of India. He said that along with Varanasi, the entire country is now witness to how, the vision of Next Gen Infrastructure can transform the means of transport. PM Modi took pride in the fact that airports in remote areas, rail connectivity in parts of North East, rural roads and highways have become a part of Union Government's identity.







also inaugurated and laid the Foundation Stone for

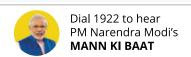
various other development projects.

पिछले चार वर्षों में तीव्र गति से आधुनिक बुनियादी ढांचे का हुआ निर्माण'— प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में



अधिक की लागत वाली परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं और कुछ की आधारशिला रखी। उन्होंने वाराणसी रिंग रोड फेज—1 और राष्ट्रीय राजमार्ग—56 के विकास और इसके बाबतपुर—वाराणसी खंड को चार लेन का बनाने के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। उन्होंने वाराणसी शहर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला भी रखी।

वाराणसी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दिन काशी, पूर्वांचल, पूर्वी भारत और समूचे देश के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि वाराणसी के साथ पूरा देश अब इस बात का साक्षी है कि अगली पीढ़ी के ढांचे का विजन किस तरह देश के यातायात साधनों का कायाकल्प कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि दूर—दराज के क्षेत्रों में हवाई अड्डों का निर्माण, देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेलवे नेटवर्क का विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों सहित देशभर में सड़कों का सुदृढ़ नेटवर्क कायम किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां सरकार की पहचान बन गई हैं।



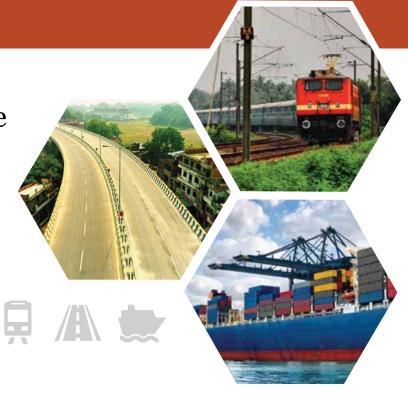




Cover Story

Redefining India with New-Age Infrastructure

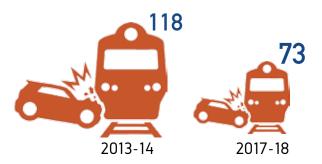
Infrastructure and connectivity is vital for any nation to flourish both economically and in the societal sphere. When terrain is paved, rivers bridged and ships given dock, the arc of human progress expands. During the past four years with India's rising position both in terms of domestic growth and in international market is evidence of the fact that infrastructure development has been a key priority of the government led by PM Modi.



To fulfil the vision of New India conjectured aptly by our PM, the government is facilitating a holistic development through developing our railways, roadways, aviation, waterways or affordable housing.



No of railway accidents



Track renewals

2926 km 2013-14



Electrification

Many states in North East connected for the first time Electrification increased by more than 3 times

608 rkm/y



2103 rkm/y 2017-18









कवर स्टोरी

अत्याधुनिक इफ्रास्ट्रक्वर से न्यू इंडिया का निर्माण

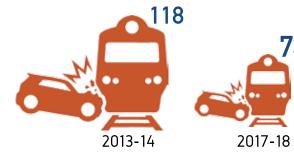
किसी भी देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए आधारभूत संरचना और कनेक्टिविटी बेहद महत्वपूर्ण है। पक्की सड़कें, नदियों पर पुल और जहाजों के लिए बंदरगाहों के निर्माण से चहुंमुखी और तीव्र गति से विकास होता है। पिछले चार वर्षों के दौरान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की बेहतर होती स्थिति इस बात का सबूत है कि आधारभूत संरचना का विकास प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता रही है।



प्रधानमंत्री के न्यू इंडिया के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए सरकार रेलवे, सड़क मार्ग, विमानन, जलमार्ग या किफायती आवास के विकास के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा दे रही है।

रेलवे

रेल दुर्घटना



ट्रैक का नवीनीकरण

2926 km



2013-14

2017-18

4405 km

विद्युतीकरण

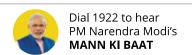
पूर्वोत्तर के कई राज्य पहली बार रेलमार्ग से जुड़े विद्युतीकरण 3 गुना से अधिक हुआ

608 आरकेएम प्रति वर्ष



2103 आरकेएम प्रति वर्ष

2017-18











Number of domestic air passengers crossed **100 million** in 2017





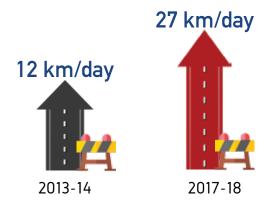


Traffic handled at major ports

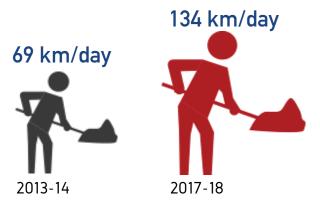
Roads



Speed of Highway Construction



Speed of Rural road construction



Quantum leap in housing





More than 1.20 crore affordable houses build under PM Awas Yojana in both rural and urban areas



Smart cities to positively impact 10 crore Indians

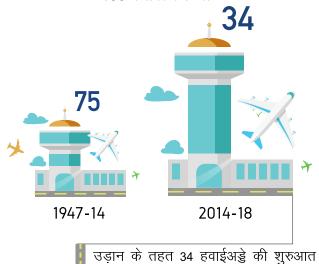






विमानन

2017 में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 100 मिलियन पार



679.35 mt 555 mt 2013-14 2017-18

प्रमुख बंदरगाहों पर यातायात

सड़कें



राजमार्ग निर्माण की गति

के साथ कुल 102 हवाई अड्डे संचालित



ग्रामीण सड्क निर्माण की गति



आवास में जबर्दस्त बढ़ोतरी





ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पीएम आवास योजना के तहत 1.20 करोड़ से अधिक सस्ते घरों का निर्माण



10 करोड़ भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव हेतु स्मार्ट शहर की योजना









Top Stories



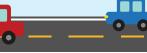
Delivering Progress at Express Speed

Kundli-Manesar Section of the Kundli-Manesar-Palwal (KMP) Western Peripheral Expressway was inaugurated by PM Narendra Modi on November 19, at Gurugram, Haryana. He also inaugurated the Ballabgarh-Mujesar Metro Link and laid the foundation stone of Shri Vishwakarma Skill University.

Addressing the gathering, PM said that the Expressway and metro connectivity will usher in a transportation revolution in Haryana. The Expressway would play a major role in reducing the pollution in Delhi and surrounding areas.









lt is a 135 km long stretch



Links to NH1, NH2, NH8 & NH10



Work started post 2014, while original deadline was 2009



Upgraded to 6 lane highway



Together with Eastern Peripheral Expressway, it is now the largest ring road in Delhi



Total cost of Rs.6,400







Top Stories



तीव्र गति से विकास को बढ़ावा

धानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19 नवंबर को हरियाणा के गुरुग्राम में कुंडली—मानेसर—पलवल (केएमपी) वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के कुंडली—मानेसर खंड का उद्घाटन किया। उन्होंने बल्लभगढ़—मुजेसर मेट्रो लिंक का भी उद्घाटन किया और इसके साथ ही उन्होंने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक्सप्रेसवे और मेट्रो कनेक्टिविटी से हरियाणा में परिवहन के क्षेत्र में क्रांति की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।









135 किमी लम्बा



एनएच 1, एनएच 2, एनएच 8 और एनएच 10 को जोड़ती है



ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के साथ मिलकर अब यह दिल्ली की सबसे बड़ी रिंग रोड़ है



निर्माण कार्य 2014 के बाद शुरू हुआ, जबकि इसकी डेडलाइन 2009 की थी

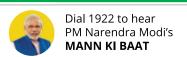


6 लेन के राजमार्ग में अपग्रेड किया गया



6,400 रुपये की कुल लागत









'Financial Inclusion has become a reality for 1.3 bn Indians'- PM Modi

PM Modi became the first Head of Government to deliver the keynote address at Singapore Fintech Festival which represents the world's largest platform for FinTech community connecting global leaders. Stating that India is witnessing an explosion of financial technology, innovation and enterprise, the PM pitched India as the favourite investment destination. The PM during his address also emphasized upon the changing nature of the global economy and highlighted the technological progress made by India through the creation of digital infrastructure and the JAM (Jan-Dhan, Aadhaar and Mobile) trinity.

Further, In a major move to expand the banking network, a crucial component of the financial inclusion, PM Narendra Modi has launched a global fintech platform APIX- Application Programming Interface Exchange. The platform aims to connect companies to financial institutions globally and become a banking solution for 1.7 billion people unbanked.





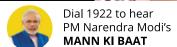


वित्तीय समावेशन से 1.3 बिलियन भारतीयों के जीवन में हुआ परिवर्तन'— प्रधानमंत्री मोदी

सिंगापुर फिनटेक महोत्सव में मुख्य भाषण देने वाले प्रधानमंत्री मोदी प्रथम शासनाध्यक्ष हैं। वैश्विक नेताओं को एक मंच पर लाने वाला फिनटेक समुदाय दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म हैं। प्रधानमंत्री ने अपने देश में वित्तीय प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यम में तेज वृद्धि का उल्लेख करते हुए भारत को पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती प्रकृति पर भी जोर दिया और डिजिटल आधारभूत संरचना और जैम (जन—धन, आधार और मोबाइल) ट्रिनिटी के निर्माण के माध्यम से भारत की प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख किया।

इसके अलावा बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार हेतु वित्तीय समावेशन का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल फिनटेक प्लेटफॉर्म APIX- एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस एक्सचेंज लॉन्च किया है। इस प्लेटफॉर्म का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर कंपनियों को वित्तीय संस्थानों से जोड़ना और बैंकिंग बनना है और बैंकिंग सेवा से वंचित 1.7 बिलियन लोगों को बैंकिंग सेवा प्रदान करना है।











Below encapsulates some of the key takeaways from his speech



The FinTech festival is a celebration of belief



We are in an age of historic transition brought about by technology. From desktop to cloud, from internet to social media, from IT services to Internet of Things, we have come a long way in a short time



The country is now taking a leap in the digital future of finance



My Government game to office in 2014 with a mission of inclusive development that would change the lives of every citizen, even the weakest in the remotest village. That mission needed a solid foundation of financial inclusion for all



With the power of fintech and reach of digital connectivity we have started a revolution of unprecedented scale



Rapidly rising digital transactions in India powered by RuPay and BHIM



India is a nation of diverse circumstances and challenges. Our solutions must also be diverse. Our digitisation is a success because our payment products cater to everyone



Digital Technology is also introducing transparency and eliminating corruption through innovation such as the GEM



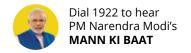
The digital infrastructure in India has helped us launch Ayushman Bharat scheme, world's largest healthcare scheme



The India story shows six great benefits of fintech: Access, inclusion, connectivity, ease of living, opportunity and accountability



We see inspiring stories of extraordinary innovation changing ordinary lives. Our focus should be on the 'Sarvodaya' development of all through' Antyodaya' that is 'development of the most marginalised'.









उनके भाषण के कुछ महत्वपूर्ण अंश



फिनटेक समारोह विश्वास का उत्सव है।

हम टेक्नोलॉजी द्वारा लाए गए ऐतिहासिक परिवर्तन के युग में है। डेस्कटॉप से क्लाउड तक, इंटरनेट से सोशल मीडिया, आईटी सेवाओं से इंटरनेट ऑफ थिंग्स तक की यात्रा हमने कम समय में पूरी की है।



देश अब वित्त के डिजिटल भविष्य की ओर छलांग लगा रहा है।



मेरी सरकार ने 2014 में नागरिक, दूरदराज के गांवों में निर्धनतम व्यक्ति को प्रभावित करने वाले समावेशी विकास के मिशन के साथ कार्यभार संभाला। मिशन को वित्तीय समावेशन का ठोस आधार चाहिए था।



फिनटेक की शक्ति और डिजिटल क्नेक्टविटी की पहुंच के साथ हमने अप्रत्याशित गति की क्रांति प्रारंभ की है।



रुपे कार्ड और भीम से भारत में तेजी से डिजिटल लेन—देन का विकास हुआ है।



भारत विविध परिस्थितियों और चुनौतियों वाला देश है। हमारे समाधान भी विविध होने चाहिए। हमारा डिजिटलीकरण सफल है क्योंकि हमारे भुगतान उत्पाद सभी की आवश्यकता पूरी करते हैं।



डिजिटल टेक्नोलॉजी पारदर्शिता ला रही है और सरकारी ई—मार्केट या जीईएम जैसे नवाचारों के माध्यम से भ्रष्टाचार दूर कर रही है। यह सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीद के लिए एकीकृत प्लेटफॉर्म है।



भारत में डिजिटल अवसंरचना ने विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लांच करने में मदद की है।



भारतीय कहानी फिनटेक के 6 बड़े लाभों— पहुंच, समावेशन, क्नेक्टविटी, जीवन की सुगमता, अवसर और दायित्व— को दिखाती है।



हम साधारण जीवन को बदलने वाले असाधारण नवाचारों की प्रेरणादायक कहानियां देख रहे हैं। हमारा ध्यान 'अंत्योदय' के माध्यम से 'सर्वोदय' के विकास पर होना चाहिए जो 'सबसे कमजोर वर्ग का विकास' है।







ISRO Successfully Launches India's Heaviest Satellite

India's GSAT-29 communication satellite was successfully launched by the second developmental flight of Geosynchronous Satellite Launch Vehicle MarkIII (GSLV MkIII-D2) on November 14, 2018. It was launched from the Satish Dhawan Space Centre at Sriharikotta in Andhra Pradesh.

GSAT-29 is a multiband, multi-beam communication satellite, intended to serve as test bed for several new and critical technologies. The satellite will provide hi-speed connectivity facilities in remote areas of Jammu & Kashmir, Northeast and other far flung areas of the nation. The success of GSLV MkIII-D2 marks an important milestone in Indian space programme towards achieving self-reliance in launching heavier satellites.

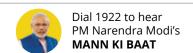


'We in India strongly desire to see a stable, democratic, prosperous and peaceful Republic of Maldives': PM Modi



The recent swearing of Mr. Ibrahim Mohamed Solih as President of Maldives, after a massive amount of turbulence in the Indian Ocean archipelago nation, signifies a new continuum to the India-Maldives bilateral ties. Considering this was the first visit made by PM Modi to Maldives after assuming office is important in its own accord. By attending the inaugural ceremony and congratulating the new President exhibits a major push towards India's 'Neighbourhood First' policy. The visit reflects India's commitment to assist the Government and people of Maldives in their endeavour to build a peaceful, democratic and prosperous country.

The PM further conveyed that India looked forward to working closely with Maldives and extend developmental assistance to the nation and achieve a sustainable social and economic development





इसरो ने सफलतापूर्वक भारत का सबसे भारी उपग्रह लॉन्च किया

14 नवंबर, 2018 को जियोसिंक्रोनस उपग्रह प्रक्षेपण यान मार्का।। (जीएसएलवी एमके ।।।—डी2) के दूसरे दौर की उड़ान से जीएसएटी—29 संचार उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था।

जीएसएटी—29 एक मल्टीबेंड, मल्टी—बीम संचार उपग्रह है, जिससे कई नई और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के परीक्षण में मदद मिलेगी। इस उपग्रह से जम्मू—कश्मीर, पूर्वोत्तर और देश के अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में हाई—स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधाएं प्रदान करेगा। जीएसएलवी एमकेआईआई—डी 2 की सफलता भारी उपग्रहों को लॉन्च करने में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।



'हम भारत के लोग मालदीव गणराज्य को एक स्थिर, लोकतांत्रिक, समृद्ध और शांतिपूर्ण देश के रूप में देखना चाहते हैं': प्रधानमंत्री मोदी



काफी उथल—पुथल के बाद हाल ही में हिंद महासागर के द्वीपसमूह राष्ट्र मालदीव में राष्ट्रपति के रूप में इब्राहिम मोहम्मद सोलिह के शपथ ग्रहण किया। इससे भारत—मालदीव द्विपक्षीय संबंधों की निरंतरता को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मालदीव यात्रा के दौरान शुभारंभ समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को बधाई दी। इस दौरे को भारत की "पड़ोसी को प्राथमिकता" की नीति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा पहल माना जा रहा है। साथ ही यह यात्रा मालदीव को एक लोकतांत्रिक, समृद्ध और शांतिपूर्ण देश बनाने की दिशा में भारत के सहयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि भारत, मालदीव के विकास में वहां की सरकार के साथ मिल कर काम करने और मालदीव के सतत सामाजिक व आर्थिक विकास को साकार करने की दिशा में सहयोग करने की इच्छा जताई।

